

1/26

303



(वि. अ. २५३७७७७)



(वि. अ. २५३७७७७)



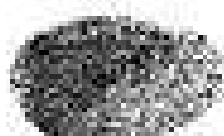
(वि. अ. २५३७७७७)

लेख पत्र का संक्षिप्त विवरण

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------------|
| 1. श्रुति का प्रकार | : कृषि |
| 2. परगना | : बिलनौर |
| 3. ग्राम | : बलानपुर खेवली |
| 4. सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नं०) | : श्रुति अक्षर संख्या-१०, २४९ |
| 5. भाषण की इकाई | : हेक्टेयर |
| 6. विहीन सम्पत्ति का क्षेत्रफल | : ०.२४९ हेक्टेयर |



(वि. अ. २५३७७७७)

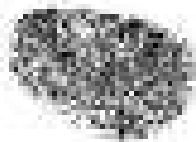


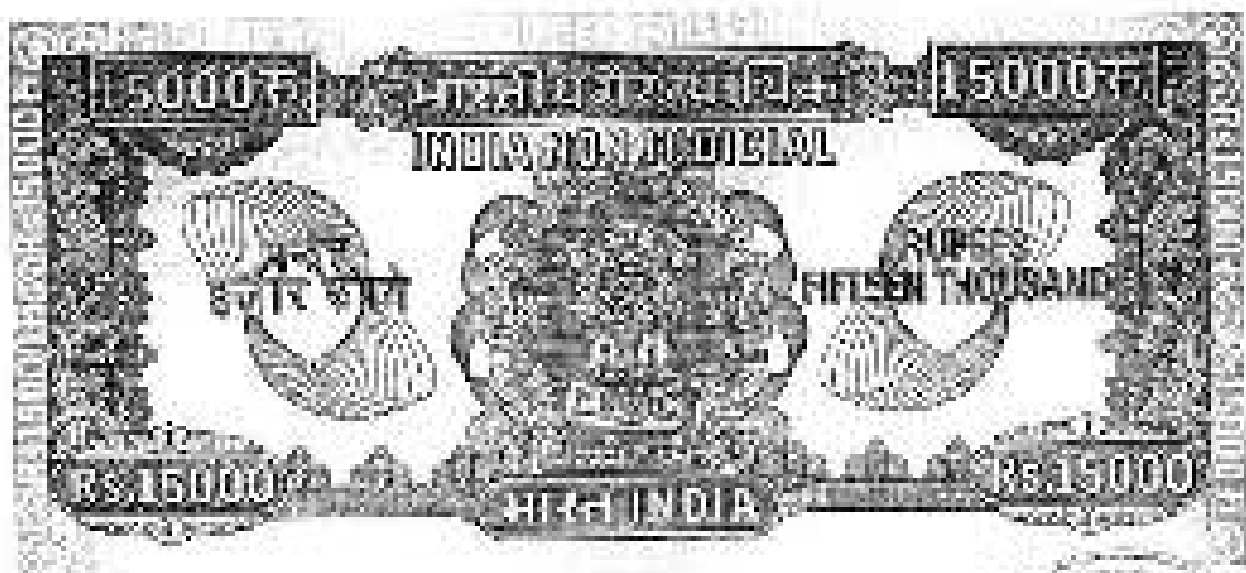
(वि. अ. २५३७७७७)



(वि. अ. २५३७७७७)

$$\begin{aligned}
 & \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{2} \frac{d^2}{dt^2} \right) \\
 & \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{2} \frac{d^2}{dt^2} \right)
 \end{aligned}$$





- 2 -

7.	सम्पत्ति का प्रकार	:	शुद्धि
8.	पेड़ों का मूल्योपेक्षा	:	नहीं
9.	बोरींग / बूझा / अन्य	:	नहीं
10.	प्रतिफल की अनुमानित	:	रु० 4,81,272 / -
11.	नतिवर्त	:	रु० 3,42,375 / -
12.	रहस्य	:	रु० 48,200 / -

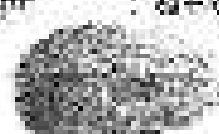
जीहदवी

अनुसूची नं० 92

सूच्य	:	अनुसूची संख्या-88
परिचय	:	अनुसूची संख्या-92
अनुसूची	:	अनुसूची संख्या-92, 94, 95
अनुसूची	:	अनुसूची संख्या-91, 99

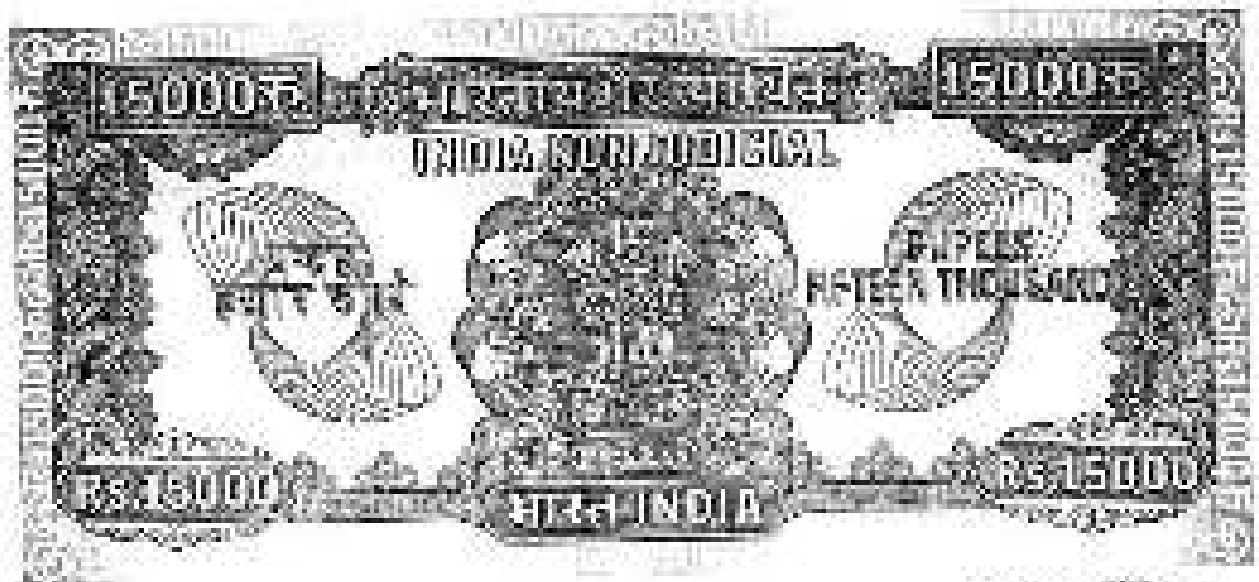


अनुसूची संख्या-88



अनुसूची संख्या-92

अनुसूची संख्या-91, 99



- 3 -

पृष्ठ संख्या-245

पूर्व : खसरा संख्या-250
 पश्चिम : खसरा संख्या-247
 उत्तर : खसरा संख्या-253
 दक्षिण : खसरा संख्या-248

पृष्ठ संख्या-02

द्वितीय पक्ष की संख्या-01

खिलेलागम का विवरण	क्रेता का विवरण
(1) रामस्वसुत व (2) राम गुलाम पुत्रगण मल्लू निवासी - ग्राम हसनपुर खेवली, परगना-बिजनीय, तहसील व जिला सरयनाम व्यवसाय - कृषि	श्रीधर पुत्र श्री भीला प्रसाद, निवासी-मिर्जापुर, मिर्जापुर, पोस्ट-नवबाग, जिला-फतेहपुर, 20900 व्यवसाय - कृषि



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

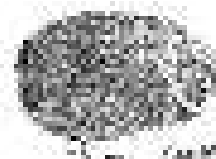
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

H 268623

- 4 -

विक्रय विलेख

बहु विपणन विलेख (1) रामस्वरूप व (2) राम नुलान पुत्रगण
पञ्च निवासी - राम हसनपुर खैरली, बरगना-बिजनौर ताहसील
व जिला जलन्धर जिन्हे कागें विक्रेतागण कहा गया है. एवम्
श्रीचन्द पुत्र श्री भोजा प्रसाद, निवासी-मिर्जापुर गिदारी,
मोहरा-नवगाव, जिला- फतेहपुर एवम् जिन्हे आने क्रेता कहा
गया है. के मध्य निष्पादित किया गया।



भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE
HUNDRED RUPEES

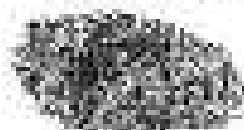
भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

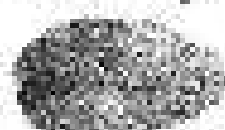
8 244370

-5-

यह कि विकेतागज भूमि खसरा संख्या-90 रकबा 0.114 हेक्टेयर व खसरा संख्या-249 रकबा 0.135 हेक्टेयर, कुल दो बिघा व कुल रकबा 0.248 हेक्टेयर, स्थित-ग्राम- हसनपुर खेवली, परगना- बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ, की मालिक, कमीज व कानिज है तथा अन्योन सत्यापित श्रद्धार्थिक खता खतीनी क्रम संख्या 307 के अनुसार एक भूमि विकेतागज के नाम का धनत दरामद राजारव जगितेखों में जो हो गया है, परदखिल खतीनी संख्या-307 खसरा संख्या-90 व 249 फसली वर्ष 1413 से 1418 के अनुसार शसत्राजणीय दर्ज है किन्तु



डि.क. बिजनौर



डि.क. बिजनौर

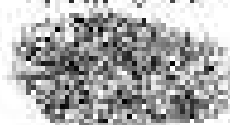


डि.क. बिजनौर

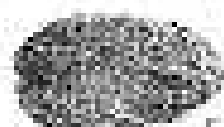


- 6 -

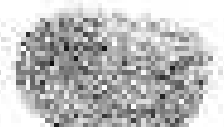
मौलिक अधिकार प्राप्त होने का वर्ष 1984 फसली है, अर्थात् विक्रेतागण का बढ़ता 10 वर्ष से अधिक पुराना है, इसलिए शासनादेश अनुसार विक्रेतागण को सार्वजनिक अधिकार प्राप्त हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपने पुरे होशो इच्छा से बिना किसी जबरदस्ती या दबाव के, केरा को इस निम्न विवेक द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेतागण हमसेका सम्पूर्ण भूमि के भातक, कागिल व काथेज के एवं वर्तमान समय से एक भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेतागण यह घोषित करती है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त



श्री. व. व. व. व.



श्री. व. व. व. व.

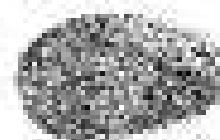


श्री. व. व. व. व.

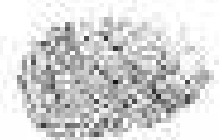
एक एक व साफ है तथा विक्रेतागण ने लगे हुए विक्रय के पूर्व कहीं बच, हिवा, गिरवी या अनुश्रुति इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या जमीन कोई गान किसी न्यायालय या सरकारी कारीवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही मूल इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा एकल भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है एवं विक्रेतागण को एकल विक्रय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सम्पत्ति के फलस्वरूप रु० 4,61,272/- (रुपया चार लाख इकसठ हजार दो सौ बहत्तर मात्र) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त जेता द्वारा विक्रेतागण की इस विजेता के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित दिशि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागण नहीं स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेतागण उक्त जेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विरोध के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कहीं बच दिया है, एवं विक्रेतागण ने विक्रयशुद्ध भूमि का मोके पर कब्जा जेता को बदली करा दिया गया है। अब उक्त आदेशी पर विक्रेतागण तथा उसके परिवार का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रयशुद्ध सम्पत्ति को अपने धामिल के समस्त



दिनांक २५/१२/७७



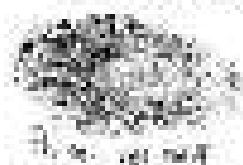
दिनांक २५/१२/७७



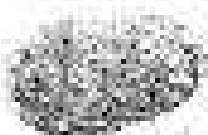
दिनांक २५/१२/७७

अधिकारों के साथ पूर्णतया व ह्येसा के लिए जेता को
उत्तरदायित्व दान दिया है। उन जेता विकसयुक्त सम्पत्ति एवं
उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व
कब्जे में सम्पत्ति के रूप में सार्वजनिक एवं उपयोग व उपयोग
करेगे। विकसयुक्त जेसने किसी प्रकार की अशुद्धि वाता नहीं
हाल सकेगे एवं न ही कोई भाग कर सकेंगे। और यदि
विकसयुक्त सम्पत्ति अथवा कोई भाग विकसयुक्त के स्वामित्व में
भुक्ति के कारण या अन्याय शब्दजन या कानूनी भुक्ति के कारण
जेता या उसके वारिसान विस्थापन हत्यादि के कब्जे व
अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो जेता उसको वारिसान,
विस्थापन हत्यादि को यह तक होगा कि यह अपना संपत्ति
मुक्तता में यह हर्षा व हर्षा, विकसयुक्त की सत्ता, अथवा सम्पत्ति
से अथवा अथवा वसूल कर ले। उस स्थिति में विकसयुक्त एवं
उसके वारिसान हर्षा व हर्षा देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि जेता विकसयुक्त सम्पत्ति की अधिकृत वारिसान
सम्पत्ति अधिकारों में अपने भाग दर्ज कर ले तो विकसयुक्त को
कोई अधिकार न होगी और यह कि इस विधान विधान के पूर्व
का अगर कोई कानून किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर



चित्र १. एक आम



चित्र २. एक आम



चित्र ३. एक आम

होगा तो उससे विक्रेतागण दुःखित न बहना करेंगे, विक्रेतागण को कोई क्षति न होगा।

यह कि उपरोक्त सामग्री नन्दर राम इमानपुर सेवली अर्धनगरीय क्षेत्र के निश्चित राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निश्चित सरकीकल रेट रु० 13,75,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विहीत भूमि 0.228 हेक्टेयर की मालियत रु० 3,12,275/- होता है, चूंकि विक्रय मूल्य भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 48,200/- जनरल स्टाम्प लगा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए प्रयुक्त की जा रही है। इस भूमि में कोई पेड़, झुल्ला, तालाब व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मीटर के क्षेत्राधिकार में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी सड़क मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि शहीद पथ के लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण एवं खेता दोनों अनुपूरित जाती के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समाप्त रूप खेता द्वारा दर्ज किया गया है।



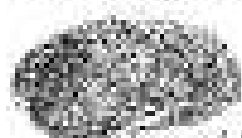
शिवाजी यह दिव्य विलेज विक्रेतागण ने जेता के पक्ष में शिख दिया ताकि सनाद रहे और आवश्यकता पड़ने पर जान साने।

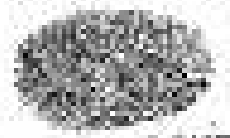
परिशिष्ट : विवरण विक्रेतबुदा सम्पत्ति का विवरण

अकरा संख्या-00 रकमा 0.014 हेक्टेअर व अकरा संख्या-049 रकमा 0.125 हेक्टेअर, कुल दो किता व कुल रकमा 0.249 हेक्टेअर, विधा-ग्राम- हुसनपुर खेवली, पश्चिमी- विजगीर, महुमीज व जिला हासनगर।

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

1. विक्रेता राम स्वरूप ने रक 2,30,635/- (रकमा दो लाख तीस हजार छ सो छत्तीस मात्र) द्वारा चेक संख्या- 618435 दिनांकित 17.11.2008 पच्चाव नेशनल बैंक, राता हासनगर, हासनगर, जेता से प्राप्त किये।
2. विक्रेता राम गुलाम ने रक 2,30,636/- (रकमा दो लाख तीस हजार छ सो छत्तीस मात्र) द्वारा चेक संख्या- 618436 दिनांकित 17.11.2008 पच्चाव नेशनल बैंक, राता हासनगर, हासनगर, जेता से प्राप्त किये।


राम स्वरूप


राम गुलाम

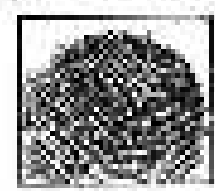

राम गुलाम

१. नाम : ...
 २. पता : ...
 ३. ...
 ४. ...

...

...
 ...

...

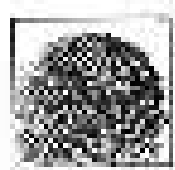


...
 ...

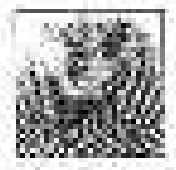
...
 ...

...

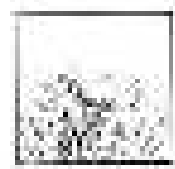
...
 ...



...
 ...



...
 ...



इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य रु० 4,81,272/- (अर्थात् चार लाख अठ्ठासठ हजार दो शी महत्तर मात्र) विक्रीकरण से जेता प्राप्त किये तथा जिसकी प्राप्ति विक्रय स्वीकार करता है।

लखनऊ

दिनांक 17.11.2008

प्राप्त

Shri. V. S. Singh
S/O Shri. S. S. Singh
283, B. S. Road
L. S.

Shri. S. S. Singh
Shri. S. S. Singh
Shri. S. S. Singh
Shri. S. S. Singh

साक्षकता

(राम जनेही)
मिडिल कोर्ट, लखनऊ

Shri. S. S. Singh
Shri. S. S. Singh

Shri. S. S. Singh
Shri. S. S. Singh

Shri. S. S. Singh
Shri. S. S. Singh

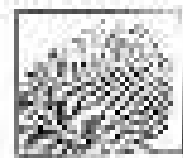
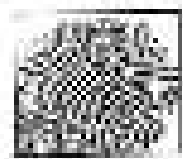
साक्षकता

(लैबल अन्वय हुसैन)
एडमोकेट

१. नाम
 २. पता
 ३. विवरण
 ४. दिनांक
 ५. हस्ताक्षर
 ६. पद
 ७. संस्था
 ८. संकेत
 ९. संख्या
 १०. दिनांक

महोदय

[Handwritten signature]



आपका पत्र दिनांक १०/११/२०२० को प्राप्त हुआ।

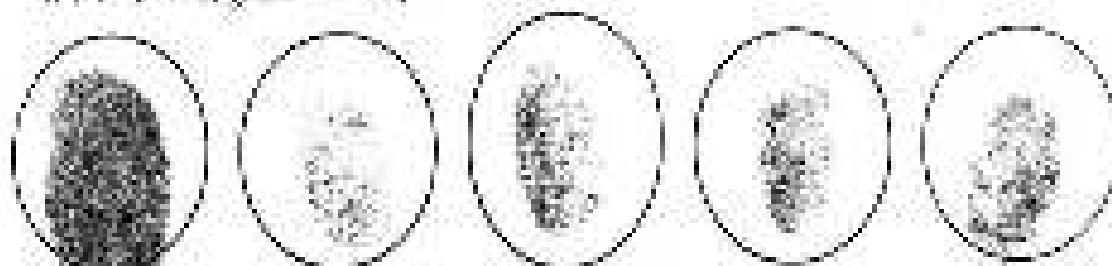
१०/११/२०२०
 डॉ. जे. ए. मुकुंद
 राज्य शिक्षा अधिकारी (प्रशासन)
 अकोला
 ४३१००१

इतिहास अभिलेख-1908 की धारा 32-ए, के अनुसार हेतु प्रिंसीपल प्रिन्स

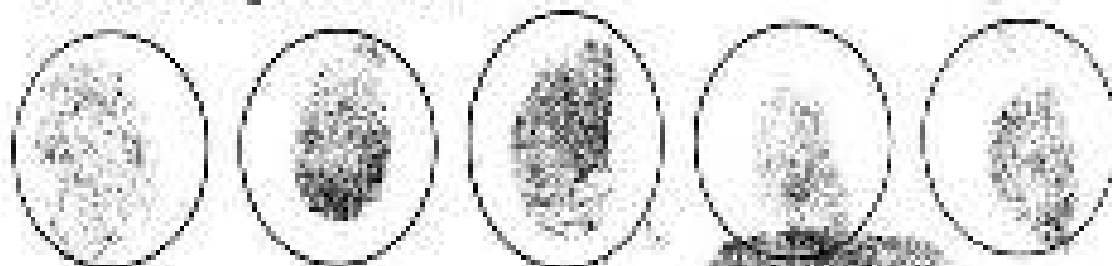
प्रिन्सिपल : प्रिन्स का नाम व पता :-

राजा प्रताप सिंह
प्रिन्सिपल प्रिन्स

प्रिन्स का नाम व पता :-



प्रिन्स का नाम व पता :-

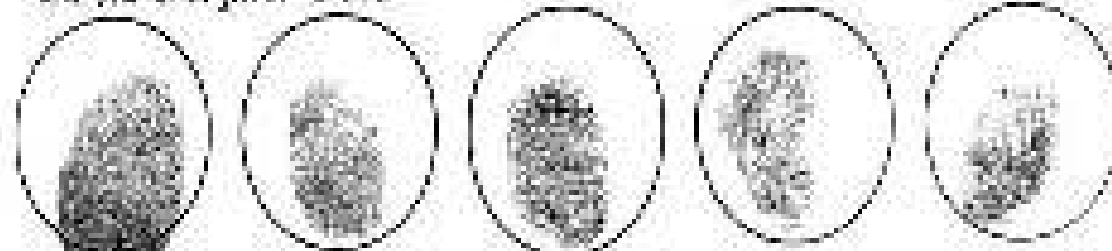


प्रिन्सिपल प्रिन्स

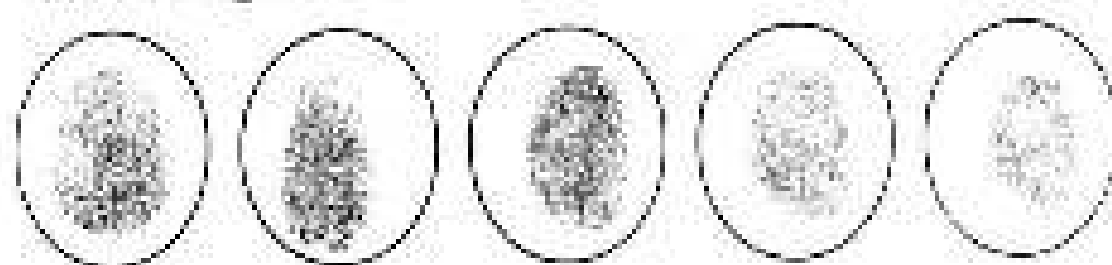
प्रिन्सिपल : प्रिन्स का नाम व पता :-

राजा प्रताप सिंह
प्रिन्सिपल प्रिन्स

प्रिन्स का नाम व पता :-



प्रिन्स का नाम व पता :-



प्रिन्सिपल : प्रिन्स का नाम व पता :-

प्रिन्सिपल प्रिन्स

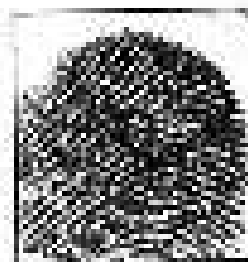
10000

Subject No. 10000

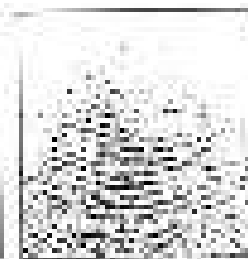
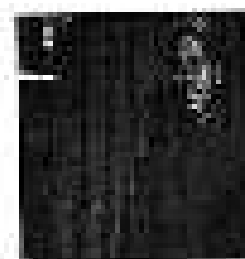
Year: 1955

Depth No. 1

10000
10000
10000
10000



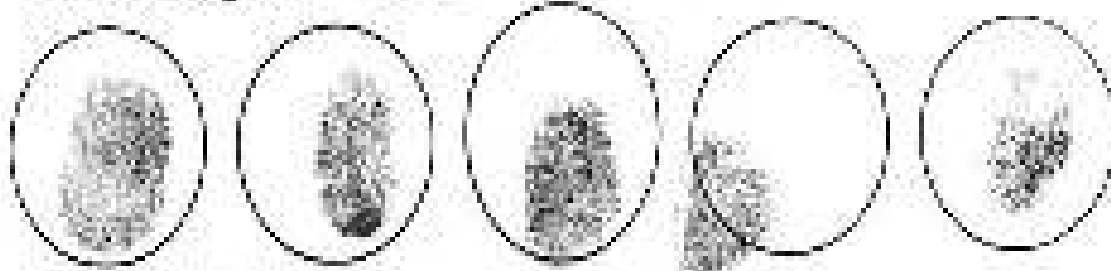
10000
10000
10000
10000



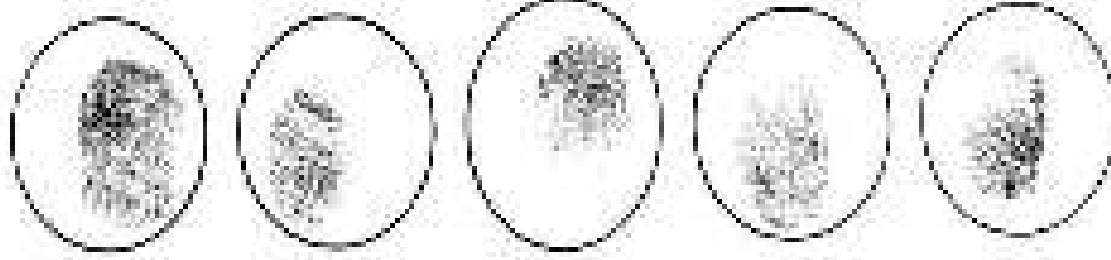
रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु
फिंगर प्रिंट्स

पञ्चगुणित / प्रेता-या नाम व पता - ... श्री चन्द

बाएँ हाथ के अंगुलिओं के चिह्न -



दाहिने हाथ के अंगुलिओं के चिह्न -

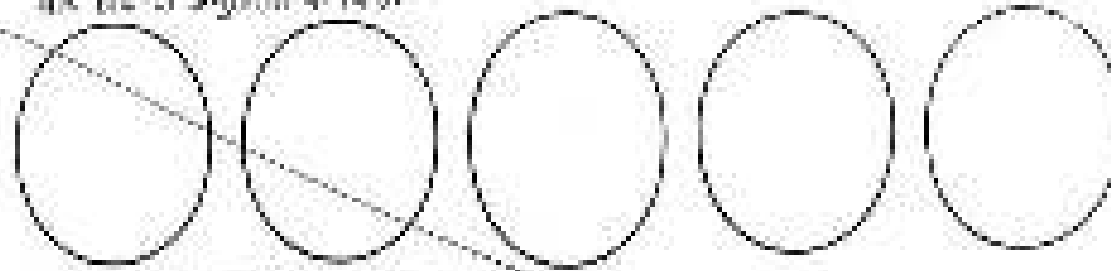


पञ्चगुणित / प्रेता-या नाम व पता -

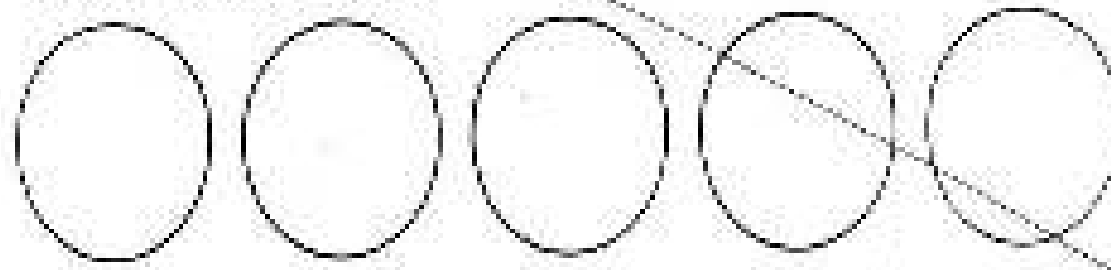
पिता / प्रेता-या नाम व पता -



बाएँ हाथ के अंगुलिओं के चिह्न -



दाहिने हाथ के अंगुलिओं के चिह्न -



पिता / प्रेता-या नाम व पता -

सि

सं. १००/१९८६

पृष्ठ १००

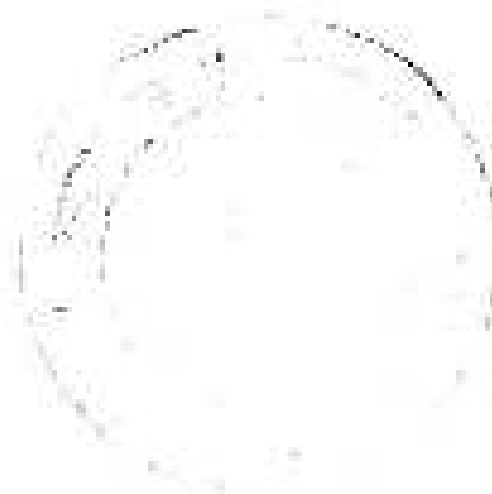
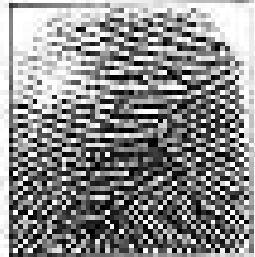
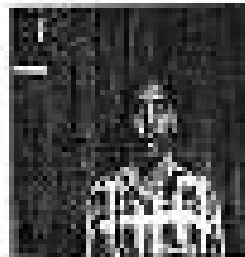
पृष्ठ १००

१) श्री १००

२) श्री १००

३) श्री १००

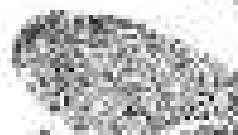
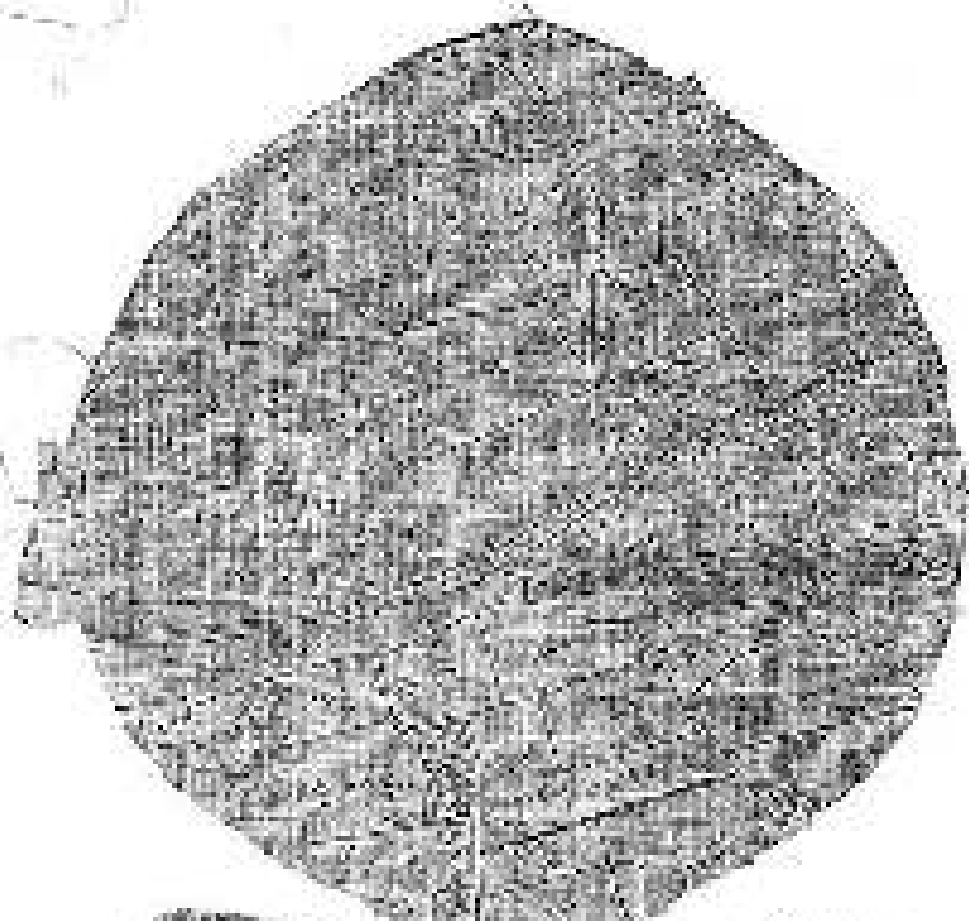
४) श्री १००



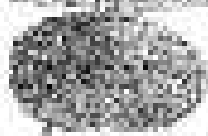
આજીવન સેવક સંસ્થાના સ્થાપકો દ્વારા

જિલ્લો ગાંધી

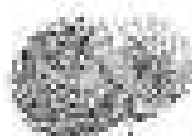
સ્થાપકો: ૧૦, ૨૦૧૧



સામાજિક



સામાજિક



સામાજિક

अन्य विवरण 17313016 से

वर्ष 1 से वर्ष 2021

पृष्ठ 92 में 126 पर कुल 6659

निर्देशित विवरण

वि.वि. विवरण 17313016
उप विवरण (126)
संख्या
17313016